भारत के किसान

डॉ. शिव मंगल प्रसाद, प्रधान वैज्ञानिक

जय-जय भारत के किसान,
जय-जय भारत के किसान।
तुमने नहीं किया कभी आराम,
तुमने नहीं किया कभी विश्राम,
सर्दी गर्मी हो या बरसात का नाम,
हर दिन बस तुमने किया है काम।
जय-जय भारत के किसान,
जय-जय भारत के किसान।।

ग्रामीण परिवेश में तुम्हारा बसेरा,
खेत-खलिहान में तुम्हारा डेरा,
तुमको अनेक प्रकार की चिंता ने घेरा,
कभी मौसम ने तो कभी बाजार ने मुँह फेरा,
तुमको नहीं मिला अच्छा मकान,
तुमको नहीं मिला अच्छा परिधान।
जय-जय भारत के किसान,
जय-जय भारत के किसान।।

अपनी मेहनत परिवार संग लगा कर,
जो मिल जाये रुखी सूखी खा कर,
आलस्य को अपने से दूर भगा कर,
अपनी लहू को पसीने संग बहा कर ,
उगा रहे हो सबके लिए तुम धान,
बचा रहे हो सब के तुम प्राण।
जय-जय भारत के किसान,
जय-जय भारत के किसान।।

कृषि वैज्ञानिकों के खोज को तुमने,
खेतों में उतारा-फैलाया अपने,
प्रयोगशाला से खेत तक उसे पहुँचाया,
नए-नए तकनीकों को अपनाया,
वैज्ञानिकों को दी नई पहचान,
अपना भी भर लिया घर-खलिहान।
जय-जय भारत के किसान,
जय-जय भारत के किसान।।

कृषि विज्ञान केंद्रों पर भी आप जाएँ,
अपनी समस्यायों का समाधान पाएँ,
नई तकनीकों से अवगत हो जाएँ,
खेती के उन्नत तरीके अपनाएं,
अपने ज्ञान से मिलायें वहाँ का ज्ञान,
अच्छी होगी खेती अच्छे होंगे परिणाम।
जय-जय भारत के किसान,
जय-जय भारत के किसान

सरकार लाई है ढेर सारी योजनाएँ,
संगठित हों, और उनका आप सब लाभ उठाएँ,
खेत की मिट्टी की जाँच कराएँ,
समन्वित कृषि प्रणाली अपनाएँ,
आय दुगुनी करने का यही संधान,
होंगे आप खुशहाल, देश का बढ़ेगा मान।
जय-जय भारत के किसान,
जय-जय भारत के किसान।।

महापुरुषों ने दिया जय जवान, जय किसान का नारा,
फिर आया जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान का नारा,
अब जुड़ गया जय अनुसंधान हमारा,
सब का साथ-सब का विकास हो प्यारा,
अब होने लगा देश को तुम पर अभिमान,
हो क्योंकि तुम भारत देश की शान।
जय-जय भारत के किसान,
जय-जय भारत के किसान।।